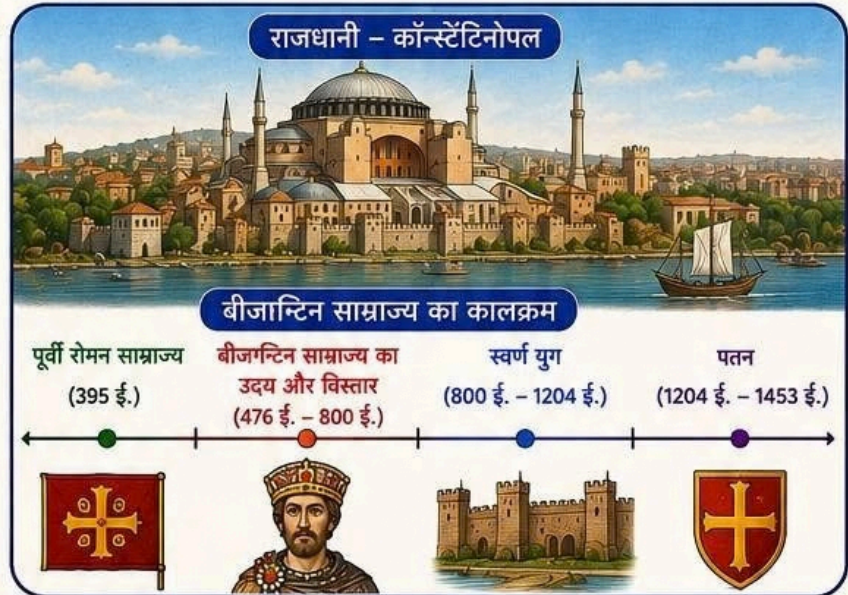


www.championsbooks.shop

परिभाषा : बीजान्टिन साम्राज्य पूर्वी रोमन साम्राज्य का उत्तराधिकारी था, जिसकी राजधानी कॉन्स्टेंटिनोपल थी। यह साम्राज्य रोमन परंपराओं, ईसाई धर्म और यूनानी संस्कृति का संगम था।

बीजान्टिन साम्राज्य की मुख्य विशेषताएँ

- ★ राजधानी – कॉन्स्टेंटिनोपल (आधुनिक इस्तांबुल)
- ★ पूर्वी रोमन साम्राज्य के रूप में अस्तित्व
- ★ ईसाई धर्म (पूर्वी आर्थोडॉक्स) को बढ़ावा
- ★ यूनानी भाषा और संस्कृति का विकास
- ★ मजबूत किलेबंदी और संगठित प्रशासन
- ★ कला, वास्तुकला और शिक्षा का उत्कर्ष



बीजान्टिन साम्राज्य की प्रमुख उपलब्धियाँ

- हागिया सोफिया जैसे भव्य गिरजाघरों का निर्माण।
- यूनानी अग्नि (Greek Fire) का आविष्कार (जो शत्रु के जहाजों को जलाती थी)।
- रोमन कानून (Corpus Juris Civilis) का संग्रह और विकास।
- शिक्षा, साहित्य, इतिहास और विज्ञान का विकास।
- मजबूत प्रशासन और संगठित कर व्यवस्था।



पतन के प्रमुख कारण

- 1204 ई. में चौथे धर्मयुद्ध के दौरान कॉन्स्टेंटिनोपल पर आक्रमण और लूट।
- अंतरिक कलह और कमजोर नेतृत्व।
- आर्थिक संकट और करों का बोझ।
- ओटोमन तुर्कों के बढ़ते आक्रमण।
- पश्चिमी यूरोप से सहयोग और समर्थन की कमी।



बीजान्टिन साम्राज्य के प्रमुख सम्राट

1. जस्टिनियन प्रथम (527 ई. – 565 ई.)



साम्राज्य का स्वर्ण युग।
हागिया सोफिया का निर्माण और रोमन कानून का संकलन किया।

2. हेराक्लियस (610 ई. – 641 ई.)



साम्राज्य को फ़ारसियों से बचाया और खोए हुए क्षेत्रों को पुनः प्राप्त किया।

3. बेसिल द्वितीय (976 ई. – 1025 ई.)



साम्राज्य का विस्तार और प्रशासन को सुदृढ़ किया। बुल्गारिया को जीतकर मिलाया।

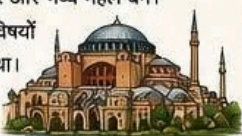
4. कॉन्स्टेंटाइन XI (1449 ई. – 1453 ई.)



ओटोमन तुर्कों से लड़ते हुए 1453 ई. में कॉन्स्टेंटिनोपल की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त की।

बीजान्टिन कला और वास्तुकला

- हागिया सोफिया – विश्व की शानदार इमारतों में एक।
- भित्तिचित्र (मोजेक) और आइकन चित्रकला प्रसिद्ध।
- गुंबददार गिरजाघर और भव्य महल बने।
- कला में धार्मिक विषयों का चित्रण प्रमुख था।



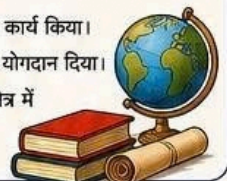
प्रशासन और समाज

- सम्राट (बेसिलियस) पूर्ण शासक था।
- प्रशासन में मंत्रियों और अधिकारियों की व्यवस्था थी।
- समाज में पादरी, सैनिक, व्यापारी और किसान प्रमुख वर्ग थे।
- कानून और व्यवस्था को बहुत महत्व दिया जाता था।



बीजान्टिन साम्राज्य का महत्व

- रोमन संस्कृति, यूनानी भाषा और ईसाई धर्म को संरक्षित रखा।
- यूरोप और एशिया के बीच सेतु का कार्य किया।
- मध्ययुगीन यूरोप के पुनर्जागरण में योगदान दिया।
- कला, वास्तुकला और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण विरासत छोड़ी।



★ बीजान्टिन साम्राज्य – जहाँ रोमन विरासत और ईसाई आस्था का संगम हुआ। ★